

तुरंत प्रकाशन के लिये

21 अगस्त, 2009

राष्ट्रपति का व्यक्तव्य रमादान संदेश

अमेरिका की जनता की ओर से – जिनमें सभी पचास राज्यों के मुस्लिम समुदाय शामिल हैं - मैं अमेरिका में और विश्व भर में मुसलमानों को शुभकामनाएं भेंट करना चाहता हूं. रमादान करीम.

रमादान वह महीना है जब मुसलमानों का विश्वास है कि पैगम्बर मोहम्मद को कुरान उद्घाटित की गई थी, जिसकी शुरुआत एक सीधे से शब्द से हुई थी - इकरा. इसलिए यह वह समय है जब मुसलमान उस बुद्धिमानी और मार्गदर्शन का, जो धर्म-विश्वास से पैदा होता है, और मानव के एक-दूसरे के प्रति और ईश्वर के प्रति दायित्व का, चिंतन करते हैं.

विभिन्न धर्मों के उन बहुत से लोगों की तरह जिन्होंने हमारे समुदायों और परिवारों के ज़रिये रमादान को देखा है, मैं जानता हूं कि यह एक उत्सव का समय है - जब परिवार एकत्र होते हैं और भोजन बांटा जाता है. लेकिन मैं यह भी जानता हूं कि रमादान गहन भक्ति और चिंतन का समय होता है - ऐसा समय जब मुस्लिम लोग दिन में उपवास रखते हैं और रात में तारावी प्रार्थनाएं करते हैं, और पूरे मास के दौरान सम्पूर्ण कुरान का पाठ करते हैं, उसे सुनते हैं.

ये धार्मिक कृत्य हमें उन सिद्धांतों की याद दिलाते हैं जिनमें हमारा साझा विश्वास है, और न्याय, प्रगति, सहिष्णुता, तथा सभी मानवों की प्रतिष्ठा को बढ़ावा देने में इस्लाम की भूमिका की याद दिलाते हैं.

मिसाल के तौर पर उपवास एक ऐसा विचार है जो बहुत से धर्मों में – जिन में मेरा ईसाई धर्म भी शामिल है - लोगों को ईश्वर के, और हममें से उन लोगों के और निकट लाने के मार्ग के तौर पर अपनाया जाता है जिन्हें नहीं मालूम कि उन्हें अगला भोजन मिलेगा या नहीं. और मुस्लिम लोग औरों को जो सहारा प्रदान करते हैं वह, हर कहीं के लोगों के लिये अवसरों और खुशहाली को बढ़ावा देने के हमारे दायित्व की याद दिलाता है. क्योंकि हम सबको यह याद रखना होगा कि हम जिस विश्व का निर्माण करना चाहते हैं – और जो परिवर्तन लाना चाहते हैं – उनकी शुरुआत हमारे अपने दिलों और हमारे अपने समुदायों से होनी होगी.

इस ग्रीष्म ऋतु में, अमेरिका भर में लोगों ने अपने समुदायों में सेवा कार्य किये हैं - बच्चों को पढ़ाना, बीमारों की देखभाल, और जिन लोगों को बुरे समय का सामना करना पड़ रहा है उनकी ओर सहायता का हाथ बढ़ाना. धर्म-आधारित संगठन, जिनमें बहुत से इस्लामी संगठन भी शामिल हैं, इस ग्रीष्मकालीन सेवाकार्य में हिस्सा लेनेवालों में सबसे आगे रहे हैं. और इस चुनौती भरे समय में, ज़िम्मेदारी की इस भावना को हमें आनेवाले महीनों और वर्षों में बनाये रखना होगा.

अमेरिका की सीमाओं से परे, हम एक ऐसे विश्व के निर्माण के लिए अपनी ज़िम्मेदारी निभाते रहने के प्रति भी वचनबद्ध हैं जो अधिक शांतिपूर्ण और सुरक्षित हो. यही कारण है कि हम दायित्वपूर्ण ढंग से ईराक में युद्ध समाप्त कर रहे हैं. यही

कारण है कि अफ़ग़ानिस्तान और पाकिस्तान जैसे स्थानों पर हम जहाँ लोगों को समर्थ बना रहे हैं, वहीं हिंसक अतिवादियों को अलग-थलग कर रहे हैं। इसीलिए हम दो-राज्यों वाले उस समाधान का सशक्त और सक्रिय समर्थन करते हैं जो इस्त्रायलियों और फ़िलिस्तीनियों के शांति और सुरक्षा के साथ रहने के अधिकारों को मान्यता देता है। और यही कारण है कि अमेरिका हमेशा सभी लोगों के अपने मन की बात कहने, अपने धर्म का पालन करने, समाज में पूरी तरह योगदान करने और न्याय के शासन में विश्वास रखने के सार्वभौम अधिकारों के हक़ में खड़ा होगा।

ये सारे प्रयास मुसलमानों और मुस्लिम-बहुल राष्ट्रों के साथ पारस्परिक हित और पारस्परिक सम्मान के आधार पर सम्बन्ध बनाने की अमेरिका की वचनबद्धता का एक अंग हैं। और नवीनीकरण के इस समय पर, मैं अमेरिका और विश्व भर के मुसलमानों के बीच एक नई शुरुआत के प्रति अपनी वचनबद्धता की पुनः पुष्टि करना चाहता हूँ।

जैसाकि मैंने काहिरा में कहा था, यह नई शुरुआत एक-दूसरे की बात सुनने, एक-दूसरे से सीखने, एक-दूसरे का सम्मान करने, और साझा आधार खोजने के सतत प्रयासों पर ही आधारित होनी चाहिये। मेरा विचार है कि इसका एक महत्वपूर्ण अंग है सुनना, और पिछले दो महीनों में, विश्व भर में अमरीकी दूतावासों ने न सिर्फ़ सरकारों बल्कि मुस्लिम-बहुल देशों में सीधे लोगों की ओर हाथ बढ़ाया है। और विश्व भर से हमें इस बारे में विपुल उदगार प्राप्त हुए हैं कि कैसे अमेरिका लोगों की आकांक्षाओं का साझीदार बन सकता है।

हमने सुना है। और आपकी ही तरह हमारा भी पूरा ध्यान ऐसे ठोस क़दम उठाने की ओर लगा है जिनसे समय गुज़रने के साथ फ़र्क़ पड़ेगा- उन राजनीतिक और सुरक्षा मामलों के संदर्भ में भी जिनका मैंने ज़िक्र किया, और उन क्षेत्रों में भी जो आपने बताया कि लोगों के जीवन में सर्वाधिक अंतर लाएंगे।

ये परामर्श उन साझेदारियों को लागू करने में हमारी सहायता कर रहे हैं जिनकी काहिरा में मैंने मांग की थी – शैक्षणिक आदान प्रदान कार्यक्रमों का विस्तार करना; उद्यमशीलता का पोषण करना और नौकरियां पैदा करना; शिक्षण और प्रौद्योगिकी में सहकार बढ़ाना; और साथ ही साक्षरता और व्यावसायिक शिक्षा को समर्थन देना। हम इस्लामी देशों के संगठन (ओआईसी) और इसके सदस्य देशों के साथ पोलियो उन्मूलन के लिये साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, और साथ ही स्वास्थ्य सम्बन्धी साझी चुनौतियों से लोहा लेने के लिये अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ निकट सहयोग से कार्य कर रहे हैं जैसे कि H1N1 – जो मुझे मालूम है उन बहुत से मुसलमानों के लिए विशेष चिंता का कारण है जो हज़्ज की तैयारी कर रहे हैं।

ये सभी प्रयास हमारी साझी आकांक्षाओं को बढ़ावा देने की ओर लक्षित हैं - शांति और सुरक्षा के साथ रहना; शिक्षा प्राप्त करना और सम्मान के साथ काम करना; अपने परिवारों, अपने समुदायों और अपने धर्म से प्यार करना। इसमें समय लगेगा और धैर्य के साथ प्रयास करना होगा। हम रातोंरात चीज़ों को नहीं बदल सकते, लेकिन हम ईमानदारी के साथ वह करने का बीड़ा उठा सकते हैं जो किया ही जाना चाहिये, एक नई दिशा की ओर बढ़ते हुए – उस मंज़िल की ओर जो हम अपने और अपने बच्चों के लिए चाहते हैं। यह एक ऐसा सफ़र है जिस पर हमें साथ-साथ चलना होगा।

मैं इस अत्यंत महत्वपूर्ण वार्तालाप को जारी रखने और कथनी को करनी में परिवर्तित करने की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहा हूँ। और आज मैं अमेरिका भर के और सारे विश्व के मुसलमानों को, जबकि आप रमादान की शुरुआत का स्वागत कर रहे हैं, इस धन्य मास की शुभ कामनाएं भेंट करना चाहता हूँ। आप पर ईश्वर की शांति की वर्षा हो।